ऑस्ट्रेलिया के शहरों में रहने वाले सल्फर क्रैस्टेड कॉकटू (काकातू) कचरा पात्रों के डिब्बे खोलकर अपनी पसंद का भोजन ढूंढना सीख गए हैं। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि स्थानीय नागरिकों ने इन पक्षियों को कचरे के डिब्बे खोलने से रोकने के लिए मुहिम छेड़ दी है, जिसके तहत डिब्बों के ढक्कनों के डिज़ाइन में फेरबदल किया जा रहा है। असल में काकातू ढक्कन खोलने में तो माहिर हो गए हैं पर ढक्कन बंद नहीं कर पाते, जिससे कचरा यहां -वहां फैलता रहता है और इसी कारण स्थानीय लोगों व काकातू के बीच टकराव बढ़ रहा है। पूर्व में शोधकर्ताओं ने सिडनी के उपनगरीय क्षेत्र में सल्फर क्रैस्टेड काकातू को ढक्कन खोलते देखा था। उन्होंने पाया कि काकातू ने यह व्यवहार हाल के वर्षों में ही सीखा है और काकातू के अन्य समूहों ने भी यह व्यवहार देख-देखकर सीख लिया है। अब जो अध्ययन किया गया वो जर्नल करंट बायॉलजी में छपा है। इसमें बताया गया है कि, किस प्रकार से जानवर हर बाधा का तोड़ निकालने की ट्रिक्स सीख रहे हैं। मैक्सप्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल बिहेवियर में इकॉलजिस्ट तथा मुख्य शोधकर्ता, बारबरा कलम्प ने कहा, "जब मैंने पहली बार काकातू का ढक्कन खोलने वाला वीडियो देखा तो मैंने सोचा कि यह बहुत रोचक और अनोखा व्यवहार है और हमें इसे जानना चाहिए। काकातू ने यह व्यवहार कचरे में पड़ी ब्रैड खाने के लिए सीखा था, क्योंकि काकातू को ब्रैड बहुत पसंद है। धीरे-धीरे एक -दूसरे को देखकर अन्य काकातू भी यह ट्रिक सीख गए। परेशान होकर स्थानीय लोग डस्टबिन के ढक्कन पर ईंट या भारी पत्थर रखने लगे ताकि काकातू ढक्कन ना खोल पाएं। पर इससे कचरा पात्र को ट्रक में खाली करने में मुश्किल हो रही थी, इसके बाद लोगों ने नए तरीके ढूंढे। अब लोग ढक्कन पर पानी से भरी बोतल लटका देते हैं या स्टिक या बोतल से ढक्कन ब्लॉक कर देते हैं, यही नहीं, अब तो "काकातू लॉक" भी मिलने लगे हैं। शोधकर्ताओं ने देखा कि, ढक्कन पर ईंट -पत्थर रखने, रबर के सांप का इस्तेमाल करने जैसे तरीकों से निपटने की ट्रिक तो काकातू ने सीख ली थी पर बोतल, स्टिक आदि से ढक्कन बंद करने या रस्से से भारी वजन लटकाने जैसी ट्रिक्स का तोड़ काकातू नहीं सीख पाए हैं। लोगों ने यह भी बताया कि, वे ढक्कन बंद रखने के तरीके बदलते रहते हैं, जैसे ही काकातू एक तरीके का तोड़ निकालता है वो उसमें कुछ बदलाव कर देते हैं। इस प्रकार यह टकराव दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है।

पचहत्तर डिजिटल इकाइयां राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री मोदी ने 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स का शुभारंभ करते कहा कि आज देश डिजिटल इंडिया के सामर्थ्य का फिर एक बार साक्षी बन रहा है

- **उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में देश के 99 प्रतिशत से ज्यादा गांवों में पांच किमी के अंदर कोई न कोई बैंक ब्रांच, बैंकिंग आउटलेट या बैंकिंग मित्र मौजूद है।**
- **उन्होंने कहा कि देश में हर एक लाख वयस्क आबादी पर जितनी बैंक शाखाएं मौजूद हैं, वो जर्मनी, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से भी ज्यादा है।**

नयी दिल्ली 16 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता बैंकिग सेवाओं को दूर-सुदूर घर-घर पहुंचाना है।

मोदी ने आज यहां 75 डिजिटल बैंकिग यूनिट्स के शुभारंभ के इस अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज देश डिजिटल इंडिया के सामर्थ्य का फिर एक बार साक्षी बन रहा है। देश के 75 जिलों में धरातल पर उतर रही है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में देश के 99 प्रतिशत से ज्यादा गांवों में पांच किमी के अंदर कोई न कोई बैंक ब्रांच, बैंकिंग आउटलेट या बैंकिंग मित्र मौजूद है।

उन्होंने कहा कि देश में हर एक लाख वयस्क आबादी पर जितनी बैंक शाखाएं मौजूद हैं, वो जर्मनी, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से भी ज्यादा है। हम सामान्य मानवी के जीवन स्तर को बदलने का संकल्प लेकर दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प व्यवस्थाओं में सुधार, पारदर्शिता और आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचने का है। उन्होंने कहा कि जब हमने जन-धन खाता की मुहिम शुरू की तब आवाजें उठीं कि गरीब बैंक खाते का क्या करेगा। यहां तक की इस फील्ड के कई एक्सपर्ट भी नहीं समझ पा रहे थे, इस अभियान का महत्व क्या है। लेकिन बैंक खाते की ताकत क्या होती है,ये आज पूरा देश देख रहा है।

उन्होंने कहा कि यूपीआई अपने तरह की दुनिया की पहली टेक्नोलॉजी है। उन्होंने कहा कि देशभर में शहर से लेकर गांव तक शोरूम हो या सब्जी का ठेला हर जगह यूपीआई देख सकते हैं। भारत की इस डीबीटी और डिजिटल ताकत को आज पूरी दुनिया सराह रही है। इसे आज एक ग्लोबल मॉडल के रूप में देखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में आईएमएफ ने हमारे डिजिटल बैंकिंग बुनियादी ढ ांचे के प्रयासों की सराहना की है। भारत के सामान्य मानवी के जीवन को आसान बनाने का जो अभियान देश में चल रहा है, डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स उस दिशा में एक और बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि ये ऐसी विशेष बैंकिंग व्यवस्था है, जो मिनिमम डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से मैक्सिमम सेवाएं देने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य भारत के सामान्य मानवी को सशक्त करना है, उसे मजबूत बनाना है इसलिए हमने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को ध्यान में रखकर नीतियां बनाई और पूरी सरकार उसकी सुविधा और प्रगति के रास्ते पर चली है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने दो चीजों पर एक साथ काम किया है। पहला बैंकिग व्यवस्था को सुधारना, मजबूत करना, पारदर्शिता लाना। दूसरा वित्तीय समावेशन किया।

भुखमरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा कार्यक्रम चला रही है जिसमें मार्च 2020 से लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त चावल/गेहूं वितरित किया जा रहा है। केंद्र ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम-जीकेएवाई) के तहत लगभग 1121 लाख टन खाद्यान्न आवंटित किया है, जो खाद्य सब्सिडी में तकरीबन 3.91 लाख करोड़ रुपये के बराबर है। इस योजना को दिसंबर 2022 तक बढ़ा दिया गया है।

आंगनबाड़ी सेवाओं के तहत कोविड-19 महामारी के बाद से, 6 वर्ष तक के लगभग 7.71 करोड़ बच्चों और 1.78 करोड़ गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को पूरक पोषण प्रदान किया गया।

'सिसोदिया को मंत्री बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं'

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा है कि शराब घोटाले में पूछताछ के लिए बराबर बुलाये जा रहे आबकारी मंत्री सिसोदिया को अब पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।

चौधरी ने कहा कि शराब घोटाले मे लिप्त दिल्ली सरकार के आबकारी मंत्री को सीबीआई बार बार पूछताछ के लिए बुला रही है और मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। घोटाले में सिसोदिया सीबीआई की एफआईआर में आरोपी नंबर-1 है और उनको सोमवार को पूछताछ के लिए

- **दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा है कि शराब घोटाले में पूछताछ के लिए बराबर बुलाये जा रहे आबकारी मंत्री सिसोदिया को अब पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।**

बुलाया है।

उन्होंने कहा कि सिसोदिया ने मंत्री बने रहने का अपना नैतिक अधिकार और विश्वसनीयता को खो दी है इसलिए उन्हें खुद इस्तीफा दे देना चाहिए और पड़ नहीं छोड़ते हैं तो मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उन्हें तुरन्त प्रभाव से बर्खास्त करना चाहिए।

चौधरी ने कहा कि जब सीबीआई ने कुछ हफ्ते पहले 15 घंटे से अधिक समय तक उनके घर की तलाशी ली थी तो सिसोदिया ने अपने आप को निर्दोष साबित दिखाने के लिए यह कहकर इसे कम आंकने की कोशिश की कि सीबीआई ने उनके आवास से कुछ भी नहीं बरामद किया।

उन्होंने कहा कि सीबीआई और ईडी द्वारा हाल ही में शराब माफियाओं विजय नायर और समीर महिंद्रा को गिरफ्तार किए जाने से शराब घोटाले की जांच में एक नया मोड़ आ गया है जिसके फलस्वरूप सीबीआई और ईडी ने देश भर में कई स्थानों पर छापे मारे और सीबीआई ने सिसोदिया को पूछताछ के लिए बुलाया है।

'ताइवान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप में देखता है, ने जवाब दिया कि वह अपनी संप्रभुता से पीछे नहीं हटेगा या स्वतंत्रता और लोकतंत्र से समझौता नहीं करेगा। अमेरिका की संसद की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की अगस्त में ताइवान की यात्रा के बाद चीन और ताइवान के बीच तनाव नाटकीय रूप से बढ़ गया। चीन ने ताइवान के पास युद्ध के खेल का मंचन किया था।

नक्सलियों ने पत्नियों की मौजूदगी में पतियों को मौत के घाट उतारा

पत्नियों ने मार्मिक अपील कर पतियों को छोड़ने कहा लेकिन नक्सलियों का दिल नहीं पसीजा और इन लोगों की गला घोंट कर हत्या कर दी गई

- **बीजापुर थाना क्षेत्र के पेददाकोरमा निवासी राजू मोडियम और बोडला पूसनार निवासी दुला कोड़मे हत्या से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।**

बीजापुर, 16 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने मुखबिरी का आरोप लगाकर दो आदिवासी ग्रामीण की जनअदालत में निर्मम हत्या कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार दो दिन पूर्व चेरपाल से चार ग्रामीणों को नक्सलियों ने अपहरण कर अपने साथ ले गए। कल नक्सलियों ने दो आदिवासी ग्रामीणों को जनअदालत में मौत की सजा दी है। मुखबिरी का आरोप लगाकर नक्सलियों ने ग्रामीणों की निर्मम हत्या की है। दोनों मृतक बीजापुर थाना क्षेत्र के पेददाकोरमा और पूसनार के रहने वाले बताए जा रहे हैं। मृतकों का नाम राजू मोडियम और दूला कोडमे। पेद्दाकोरमा में जनअदालत लगाने के बाद दोनों की हत्या की गयी।

बीजापुर पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय ने जनअदालत में ग्रामीणों की हत्या के बारे में कहा-सूचना मिली है। जांच की जा रही है। अब तक परिजन शिकायत दर्ज कराने नहीं पहुंचे है। दोनों ग्रामीण युवक शादी शुदा है और इनके बच्चे भी है, जो पेदाकोरमा और बोडला पुसनार गांव में रहते हैं।

सूत्रों ने बताया कि जब इन युवाओं को नक्सलियों ने पकड़ कर जन अदालत में फैसला सुनाया, उस वक्त इनकी पत्नियां भी मौजूद रही। पत्नियों ने मार्मिक अपील भी कर पतियों को छोड़ने कहा लेकिन नक्सलियों का दिल नहीं पसीजा और जन के फैसला को मानते हुए रस्सी से गला घोंट कर हत्या की गई। बीजापुर थाना क्षेत्र के पेददाकोरमा निवासी राजू मोडियम और बोडला पूसनार निवासी दुला कोड़मे हत्या से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। इधर नारायणपुर जिले में आज पुलिस और नक्सली के मुठभेड़ में भारी मात्रा में नक्सली साहित्य और विस्फोट सामग्री बरामद किया गया।

पुलिस अधीक्षक सदानंद ने बताया कि पिछले दो दिन पूर्व केन्द्रीय सुरक्षा बल और जिला रिवर्ज पुलिस बल गश्त पे निकले थे। आज लौटते समय सीमावर्ती क्षेत्र देवगांव-हचाड़ी के पापस घात लगाये नक्सलियों ने पुलिस पर फायरिंग की दोनों ओर से गोलीबारी हुई, नक्सली भाग गए। सर्चिंग के दौरान विस्फोटक पदार्थ, नक्सली साहित्य एवं भारी मात्रा में दैनिक उपयोगी की सामाग्री बरामद किया गया।

भारत-अफ्रीका के बीच रक्षा वार्ता 18 को

- **भारत-अफ्रीका रक्षा मंत्रियों का इस तरह का पहला सम्मेलन 6 फरवरी, 2020 को डेफएक्सपो के दौरान लखनऊ, उत्तर प्रदेश में किया गया था। सम्मलेन में एक संयुक्त घोषणा - लखनऊ घोषणा - को एक परिणाम दस्तावेज के रूप में अपनाया गया था।**

नयी दिल्ली, 16 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 18 अक्टूबर को गुजरात के गांधीनगर 12 वीं रक्षा प्रदर्शनी के बीच भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता (आईएडीडी) के दौरान अफ्रीकी राष्ट्रों के रक्षा मंत्रियों की मेजबानी करेंगे।

इस संवाद का व्यापक विषय भारत-अफ्रीका: तालमेल और रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए रणनीति अपनाना है।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत और अफ्रीका के बीच घनिष्ठ और ऐतिहासिक संबंध हैं। अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण 2018 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिपादित कंपाला सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है। भारत की भागीदारी अफ्रीकी प्राथमिकताओं पर टिकी हुई है, जैसा कि स्वयं अफ्रीकियों ने रेखांकित किया है। भारत-अफ्रीका रक्षा मंत्रियों का इस तरह का पहला सम्मेलन 6 फरवरी, 2020 को डेफएक्सपो के दौरान लखनऊ, उत्तर प्रदेश में किया गया था। सम्मलेन में एक संयुक्त घोषणा – लखनऊ घोषणा – को एक परिणाम दस्तावेज के रूप में अपनाया गया था। लखनऊ घोषणा की निरंतरता ,इससे जुड़े पक्षों के परामर्श से, आईएएडी को हर दो साल में एक बार डेफएक्सपो के मौके पर आयोजित करने के लिए संस्थागत बनाया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि आईएडीडी क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद से निपटने जैसे क्षेत्रों सहित आपसी जुड़ाव के लिए के नए क्षेत्रों का पता लगाएगा। मनोहर परिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान (एमपी-आईडीएसए) भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता के लिए ज्ञान का भागीदार है।

'भारत जोड़ो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से कहना चाहता हूं कि हम भारत को एकजुट करने के अपने मिशन में आगे बढ़ रहे हैं इसलिए अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए सुरक्षा और सावधानी से काम कर हर काम में अत्यधिक सावधानी बरतें।

रिश्वत के आरोप में पूर्व मंत्री गिरफ्तार

चंडीगढ़ 16 अक्टूबर। पंजाब सतर्कता आयोग (विजीलैंस ब्यूरो) ने पूर्व मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा को ब्यूरो के एक सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) को 50 लाख रुपये की रिश्वत देने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पंजाब विजीलैंस ब्यूरों के मुख्य निदेशक वरिंदर कुमार ने आज यहां बताया इस संबंध में मनमोहन कुमार एआईजी वीबी के बयान पर पूर्व मंत्री के खिलाफ उड़न दस्ता पंजाब द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 8 के तहत 15 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि एआईजी मनमोहन कुमार ने शिकायत की है कि अरोड़ा ने उनसे 14 अक्टूबर को मुलाकात की और उनके खिलाफ दर्ज सतर्कता जांच में पक्ष लेने के लिए उन्हें एक करोड़ रूपये की पेशकश की।

कुमार ने बताया कि पूर्व मंत्री ने अगले दिन यानी 15 अक्तूबर को 50 लाख रूपये और शेष राशि बाद की तारीख में देने की पेशकश की है।

सवाई माधोपुर के नर बाघ टी-113 को सरिस्का भेजा

सरिस्का में बाघों का कुनबा बढ़े इसके लिए युवा बाघ को सरिस्का लाया गया

- **सरिस्का के सीसीएफ आर.एन. मीणा रणथंभौर से बाघ को लेकर सरिस्का आएंगे। सरिस्का के अधिकारियों ने कहा कि बाघ के लिए सरिस्का के पानीढाल क्षेत्र में नया एंक्लोजर बनाया गया है।**
- **बाघ को सरिस्का क्षेत्र के माहौल के अनुरुप ढलने में दो माह का समय लग सकता है। इस बीच बाघ की मॉनिटरिंग सरिस्का की टीम लगातार करेगी।**

सवाई माधोपुर, 16 अक्टूबर (नि.स.) । एनटीसीए (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) के अनुमति के बाद निर्धारित प्रोटोकॉल एवं एसओपी के अनुरूप रविवार को रणथम्भौर बाघ परियोजना सवाई माधोपुर के नर बाघ टी-113 को तालड़ा रेंज से बाघ को सरिस्का में स्थानान्तरण करने के लिए रवाना किया।

बाघिन कृष्णा के बेटे बाघ 113 को रणथंभौर से सरिस्का लाया जा रहा है, जिसके देर रात तक बाघ के सरिस्का पहुंचने की संभावना है। बाघ के लिए सरिस्का के पानीढाल क्षेत्र में नया एंक्लोजर बनाया गया है। दो से तीन दिनों तक बाघ को एंक्लोजर में रखा जाएगा। उसके बाद एंक्लोजर से बाहर निकाल दिया जाएगा। यह युवा बाघ है। रणथंभौर में यह एक बार पिता बन चुका है।

वन विभाग के अधिकारियों ने अनुसार बाघ 113 को ट्रेंकुलाइज किया गया है। ट्रेंकुलाइज के बाद जीपीएस का पट्टा बाघ के गले में लगाया गया।

सरिस्का के सीसीएफ आरएन मीणा रणथंभौर से बाघ को लेकर सरिस्का आएंगे। सरिस्का के अधिकारियों ने कहा कि बाघ के लिए सरिस्का के पानीढाल क्षेत्र में नया एंक्लोजर बनाया गया है। पुराना एंक्लोजर कर्णाका बास गांव में था। दो से तीन दिनों तक बाघ को इस एंक्लोजर में रखा जाएगा। उसके बाद बाघ को एंक्लोजर से बाहर छोड़ दिया जाएगा।

बाघ को सरिस्का क्षेत्र के माहौल के अनुरुप ढलने में दो माह का समय लग सकता है। इस बीच बाघ की मॉनिटरिंग सरिस्का की टीम लगातार करेगी। सरिस्का के अधिकारियों ने कहा सरिस्का में बाघों का कुनबा बढ़े इसके लिए युवा बाघ को सरिस्का लाया गया है। सरिस्का में युवा बाघों की संख्या कम हुई है। बाघों की तुलना में बाघिन की संख्या ज्यादा है। ऐसे में युवा बाघ कुनबा बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।

झांसी की रानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के अभियान को आगे बढ़ ाने वाले महादजी सिंधिया 1771 में दिल्ली में हिन्दवी स्वराज का झंडा गाड़ दिया था। इस कलावीथिका में सिंधिया, गायकवाड़, होलकर, नेवालकर, भोंसले और पवार जैसे मराठा राजवंशो के शौर्य पराक्रम की झाँकी दिखाई गयी है। मराठा शासकों की उस समय 30 रियासतें देशभर में थीं। मराठों ने मुगलों से जमकर लोहा लिया और उन्हें परास्त भी किया।

कलावीथिका में कुछ स्लाइड्स शो के जरिए मराठा शासकों का इतिहास दिखाया गया है। इसके साथ ही 30 मराठा रियासतों की पगड़ियां एवं पोशाक की झलक भी इस कलावीथिका में दिखेगी। कलावीथिका 17 अक्टूबर से सैलानियों के लिए खोली जाएगी।

इस कलावीथिका में मराठा क्षत्राणियों के भी बड़े पोट्रेट प्रदर्शित किए गए हैं जिनमें बैजाबाई, राजमाता विजयाराजे सिंधिया, चिनकूरानी आदि के साथ ही पहली दफा झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का पोट्रेट एक मराठा वीरांगना के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

यूपी के हमीरपुर में थोक के भाव मिल रहे हैं टी.बी. मरीज

हमीदपुर में टीबी के हर माह औसतन 70 नये मरीज मिलने से क्षय रोग के संक्रामक का खतरा घटने के बजाय लगातार बढ़ ता जा रहा है

- **इस समय करीब 1600 टीबी रोगियों का इलाज किया जा रहा है। यह संक्रामक रोग होने के कारण मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है। परिवार में जरा सी असावधानी होने पर एक परिवार के कई लोग क्षय रोग के शिकार हो जाते हैं।**

हमीरपुर 16 अक्टूबर (वार्ता) उत्तर प्रदेश को क्षय रोग (टीबी) से वर्ष 2025 तक पूरी तरह से मुक्ति दिलाने के संकल्प पर उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में संकट गहराता जा रहा है। जिले में टीबी के हर माह औसतन 70 नये मरीज मिलने से क्षय रोग के संक्रामक का खतरा घटने के बजाय लगातार बढ़ ता जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक जिले में टीबी की जांच के दौरान हर माह करीब 60 से 70 मरीज मिल रहे हैं। लिये चिंता का विषय बना हुआ है। इसका मुख्य कारण गरीबी एवं अशिक्षा के कारण संक्रमण रोकने के प्रति जागरुकता के अभाव को बताया जा रहा है।

जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डा. महेश चंद्रा ने रविवार को बताया कि जिला अस्पताल में रोजाना औसतन 03 से 04 मरीज टीबी की जांच में पाजटिव मिल जाते हैं। इनका इलाज डाट कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस समय करीब 1600 टीबी रोगियों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया है कि यह संक्रामक रोग होने के कारण मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है। परिवार में जरा सी असावधानी होने पर एक परिवार के कई लोग क्षय रोग के शिकार हो जाते है।

डा चंद्रा ने बताया कि जिले में क्षय रोगी सबसे ज्यादा मौदहा, सुमेरपुर, कुरारा व हमीरपुर शहर की मलिन बस्तियों में हैं। यही नहीं 146 गंभीर गंभीर रोगियों (एमडीआर) का इलाज किया जा रहा है। इस श्रेणी के मरीजों की मृत्युदर अधिक होने के कारण शासन ने इन्हें अलग से दवा देना सुनिश्चित किया है। एमडीआर श्रेणी के मरीजों की दवा अभी तक बाजार में नही आयी है। सरकार से दवा मिलने के कारण जिले में एमडीआर मरीजों की मृत्यु दर में काफी कमी आयी है।

क्षय रोग अस्पताल के चिकित्साधिकारी बीपी सिंह ने बताया कि जिले में डाट कार्यक्रम के तहत आशा व एएनएम टीबी के रोगियों को सप्ताह व माह में दवाएं देने जाती है। इसके लिये सुपरवाइजरों की नियुक्ति जिले के सातों ब्लाक में कर दी गयी है। हर अस्पताल में टीबी के मरीजो की जांच के लिये अलग से लैब टैक्नीशियन की नियुक्ति कर दी गयी है ताकि मरीजों को तुरंत जांच कर उनका इलाज किया जा सके।

डा.सिंह का मानना है कि लोगों को पोषक भोजन नहीं मिल पाता है, इसलिये कुछ लोग क्षय रोग के शिकार हो जाते है।

गांव के लोग गंदगी में रहने के कारण क्षय रोग से ग्रसित हो जाते है। क्षय रोग लगातार फैलने का कारण गरीबी एक अहम फैक्टर है।

शासन ने राज्य से दो साल में टीबी रोग को जड़ उखाड़ फेंकने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिये डब्ल्यूएचओ भी बराबर निगरानी कर रहा है। जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डा. रामऔतार ने बताया कि क्षय रोग का इलाज बचाव है। इसके लिये स्थायी रुप से इलाज कराना चाहिये। हालांकि समय समय पर अभियान की समीक्षा की जाती है और सीएचसी व पीएचसी के डाक्टरों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गये है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908